

70	यथ द्रुघणो घनः ॥ ७८५ ॥	९३
71	मुहुरः स्या-	९४
72	त्कुठारस्तु परशुः पर्शुपर्श्वधौ ।	९५
73	परश्वधः स्वधितिश्च ॥	९६
74	परिधः परिघातनः ॥ ७८६ ॥	९७
75	सर्वला तोमरे	९८
76	शल्यं शङ्खौ	९९
77	शूले त्रिशोर्षकम् ।	१००
78	शक्तिपरिसङ्घः स्फोटचक्राद्याः शस्त्रजातयः ॥ ७८७ ॥	१०१
79	खुरली तु श्रमो योग्याभ्यास-	१०२
80	स्तद्वः खलूरिका ।	१०३
81	सर्वाभिसारः सर्वौघः सर्वसंनहनं समाः ॥ ७८८ ॥	१०४
82	लोहाभिसारो दशम्यां विधिर्नौरात्रनात्परः ।	१०५
83	प्रस्थानं गमनं ब्रज्याभिनिर्घाणं प्रयाणकम् ॥ ७८९ ॥	१०६
84	यात्रा-	१०७
85	भिषेणनं तु स्यात्सेनयाभिगमो रिपौ ।	१०८

70. 71. Hammerähnliche Waffe (3 W.). — 72. 73. Beil (6 W.). — 74. Mit Eisen beschlagener Stock (2 W.). — 75. Kolben, Keule (2 W.). — 76. Spiess (2 W.). — 77. Dreizack (2 W.). — 78. Speer, Axt, duhsphota, Discus u. s. w. sind verschiedene Arten von Waffen. — 79. Waffenübung (4 W.). — 80. Uebungsplatz. — 81. Versammlung eines ganzen Heeres (3 W.). — 82. Kriegerische Ceremonie, welche am zehnten Monatstage nach dem Nirâg'ana vorgenommen wird. — 83. 84. Marsch (6 W.). — 85. Mit dem Heere auf den Feind losgehen.